

पूर्णांक - 100

क्रेडिट - 6

सत्रांत परीक्षा -70

सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- संपादन कला सीख सकेंगे.
- पत्रकारिता की कार्यप्रणाली का अनुशीलन कर पाएंगे.
- प्रिंट मीडिया और दृश्य-श्रव्य मध्यम का अनुप्रयोग करना जान पाएंगे.
- रिपोर्टिंग कला में निपुण होंगे.
- सृजनात्मक अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा.

इकाई- 1

- संपादन: अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ,
- संपादन-कला के सामान्य सिद्धान्त
- संपादक और उपसंपादक: योग्यता, दायित्व और महत्त्व

इकाई- 2

- समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनितसामग्री का मूल्यांकन और संपादन
- संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका
- प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली

इकाई- 3

- संपादकीय लेखन: प्रमुख तत्व एवं प्रविधि. संपादकीय का सामाजिकप्रभाव

इकाई- 4

- समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका संपादन
- साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ

इकाई- 5

- साज-सज्जा:ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धान्त
- मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी), पत्रिका कीसाज-सज्जा, रंग-संयोजन

सहायक ग्रंथ-

1. पत्रकारिता में संपादन कला- एन. सी. पन्त
2. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा
3. समाचार संपादन- प्रेमनाथ चतुर्वेदी
4. सैद्धांतिक पत्रकारिता- डॉ. सुशील उपाध्याय